हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 12 : जौनपुर, शुक्रवार 06 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

मोदी ने जोधपुर में करीब पांच हजार करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

एजेन्सी

जोधपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लगभग पांच हजार करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित शिलान्यास समारोह में श्री मोदी ने वीर दुर्गादास राठौड़ की इस वीर भूमि को नमन करते हुए कहा "आज मारवाड़ की पवित्र धरती जोधपुर में कई बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। गत नौ वर्षों में हमने राजस्थान के विकास के लिए जो निरंतर प्रयास किए हैं, उनके परिणाम आज हम सब अनुभव कर रहे हैं, देख रहे हैं। उन्होंने इन विकास कार्यों के लिए जनता को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान वो राज्य है, जहां प्राचीन भारत के गौरव के दर्शन होते हैं। जिसमें भारत के शौर्य, समृद्धि और संस्कृति झलकती है। कुछ समय पहले जोधपुर में जी–20 की जो बैठक हुई, उसकी तारीफ दुनियाभर के मेहमानों ने की। चाहे हमारे देश के लोग हों, या विदेशी पर्यटक हों, हर किसी की इच्छा होती है कि वो एक बार सूर्य नगरी जोधपुर देखने

के लिए जरूर आए। हर कोई रेतीले धोरों को, मेहरानगढ़ और जसवंत थड़ा को जरूर देखना चाहता है, यहाँ के हैंडीक्राफ्ट को लेकर बहुत कुछ उसके लिए उत्कंठा रहती है। इसलिए, ये जरूरी है कि भारत के गौरवशाली अतीत का प्रतिनिधित्व करने वाला राजस्थान, भारत के भविष्य का भी प्रतिनिधित्व करे। ये तभी होगा, जब मेवाड़ से लेकर मारवाड़ तक, पूरा राजस्थान विकास की बुलंदियों को छूए, यहाँ आधुनिक इनफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि बीकानेर से बाड़मेर होते हुये जामनगर तक जाने वाला एक्सप्रेसवे कॉरिडोर, दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे, राजस्थान में आधुनिक और हाइटेक इनफ्रास्ट्रक्चर का उदाहरण है। भारत सरकार, आज राजस्थान में हर दिशा में, चहुं दिशा में रेल और रोड समेत हर क्षेत्र में तेज गति से काम कर रही है। इसी साल रेलवे के विकास के लिए करीब–करीब साढ़े नौ हजार करोड़ रुपए का बजट राजस्थान को दिया गया है। ये बजट पिछली सरकार के सालाना औसत बजट से करीब 14 गुना ज्यादा है। और ये कोई मैं पॉलिटिकल स्टेटमेंट नहीं दे रहा हूँ, फैक्चूअल जानकारी दे रहा हूँ, वरना मीडिया वाले लिखेंगे, मोदी का बड़ा हमला। आजादी के बाद के इतने दशकों में वर्ष 2014 तक, राजस्थान में लगभग 600 किलोमीटर रेल लाइनों का ही बिजलीकरण हुआ। श्री मोदी ने कहा कि गत नौ वर्षों में तीन हजार सात सौ किलोमीटर से ज्यादा रेल ट्रैक्स का बिजलीकरण हो चुका है। इन पर डीजल इंजन की जगह इलैक्ट्रिक इंजन वाली ट्रेनें चलेंगी। इससे राजस्थान में प्रदूषण भी कम होगा और हवा भी सुरक्षित रहेगी। अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत हम राजस्थान के 80 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को भी आधुनिकता के साथ विकसित कर रहे हैं। हमारे यहाँ शानदार हवाई अड्डे बनाने का फैशन तो है, बड़े–बड़े लोग वहाँ जाते हैं, लेकिन मोदी की दुनिया कुछ अलग है, जहां गरीब और मध्यम वर्ग का व्यक्ति जाता है, मैं उस रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट से भी बढ़िया बना दूंगा और इसमें हमारा जोधपुर रेलवे स्टेशन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आज रोड और रेल की जिन परियोजनाओं को शुरू किया गया है, उनसे विकास के इस अभियान को और गति लेगी। रेल लाइनों के इस दोहरीकरण से यात्रा में लगने वाला जो समय है, वो कम होगा, और सुविधा भी बढ़ेगी। मुझे जैसलमेर–दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन और मारवाड़–खांबली घाट ट्रेन को हरी झंडी दिखाने का भी सौभाग्य मिला है। और कुछ दिन पहले मुझे वंदे भारत के लिए भी मौका मिला था। आज यहां रोड के तीन प्रोजेक्ट्स का भी शिलान्यास हुआ है। आज जोधपुर और उदयपुर हवाई अड्डों के नए पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग का शिलान्यास हुआ है। इन सभी विकास कार्यों से इस इलाके की लोकल अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये राजस्थान में टूरिज्म सेक्टर को भी नई ऊर्जा देने में मदद करेंगे।साथियों,हमारे राजस्थान की मेडिकल और इंजीनियरिंग एजुकेशन के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान रही है। कोटा ने देश को कितने ही डॉक्टर्स और इंजीनियर्स दिये हैं। हमारा प्रयास है कि राजस्थान एजुकेशन के साथ–साथ मेडिकल और इंजीनियरिंग की दृष्टि से भी नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने वाला एक अच्छे से अच्छा हब बने। इसके लिए एम्स जोधपुर में ट्रोमा, इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर की एडवांस्ड सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है।

राजस्व वादों और भूमि विवादों का तेजी से किया जाय निस्तारण : केशव

एजेन्सी

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा गुरुवार को उदयन सभागार में कौशाम्बी के विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई।उप मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के दौरान एक क्लस्टर में 03 वर्ष पूर्ण कर चुकें ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों,ग्राम विकास अधिकारी को अन्य विकास खण्ड में तैनात करने के निर्देश दियें। उन्होंने 03 वर्ष पूर्ण कर चुकें लेखपालों को अन्य तहसील में तैनात करने तथा एक थानें में 02 वर्ष पूर्ण करने वाले दरोगा सिपाही को अन्य सर्किल क्षेत्र में तैनात करने के निर्देश दियें। अधिकारियों से कहा कि अपने–अपने विभागीय योजनाओं में तेजी से प्रगति करते हुए पात्र लाभार्थियां को लाभान्वित किया जाय तथा विकास कार्यों को तेजी से पूर्ण कराया जाय, ताकि जनपद का सर्वांगीण विकास तेजी से हो सकें। उन्होंने ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व वादों भूमि विवादों का तेजी से निस्तारण सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दियें। उप मुख्यमंत्री ने अधिशासी अभियंता विद्युत से विद्युत आपूर्ति एवं खराब ट्रान्सफार्मर बदलने की कार्यवाही आदि की जानकारी प्राप्त करते हुए संविदा विद्युत कर्मियों एवं जेई के क्षेत्र बदलने के निर्देश दियें। उन्होने कहा कि जिन किसानों ने नलकूप का कनेक्शन लिया है, उन किसानों से 01 अप्रैल से विद्युत बिल न लिया जाय, शासन द्वारा विद्युत बिल जमा किया जायेंगा। निर्धारित समयावधि तक विद्युत आपूर्ति तथा खराब ट्रान्सफार्मर को समयान्तर्गत बदलने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत, चायल की काफी शिकायतें प्राप्त होने पर जॉच कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जॉच सही पाये जाने पर सख्त कार्यवाही किया जाय। तालाबों, चकमार्गों, चारागाह एवं खेल मैदान में हुए अवैध अतिक्रमण कब्जों को अभियान चलाकर खाली करवाने के निर्देश देते हुए कहा कि अगर किसी गरीब व्यक्ति का कब्जा है ,तो उसकी समुचित व्यवस्था करने के बाद ही गरीब व्यक्ति को हटाया जाय तथा किसी माफिया को न छोड़ा जाय, गरीब को छेड़ें नहीं और माफिया को छोड़ें नहीं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को आवारा घूम रहें गोवंशों को पकड़वाकर गौशालाओं में संरक्षित करने तथा निर्माणाधीन गौशालाओं का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दियें। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 1200 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है तथा 1600 आवेदन प्राप्त हों गये है, जिस पर उप मुख्यमंत्री ने बैंकर्स के साथ बैठक कर प्रगति लाने तथा पात्रों को लाभान्वित करने के निर्देश दियें।

जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों पर 50 लाख से ज्यादा मतदाता करेंगे मतदान

एजेन्सी

जयपुर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में 50 लाख 47 हजार 219 मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि इनमें 26 लाख 36 हजार 25 पुरुष मतदाता एवं 24 लाख 11 हजार 194 महिला मतदाता शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि प्रारूप प्रकाशन की तिथि तक 18–19 वर्ष की आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 1 लाख 54 हजार 644 थी जो कि अन्तिम प्रकाशन के समय बढ़कर 1 लाख 96 हजार 834 हो गई है। इस प्रकार 18–19 वर्ष की आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या में 42 हजार 190 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि द्वितीय पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जयपुर जिले में कुल 54 हजार 189 आपत्तियां स्वीकार की गईं ।

स्कूल ड्रॉप आउट रोकने के लिए 12,000 रुपए सालाना छात्रवृत्ति

एजेन्सी

नयी दिल्ली। छात्रों के स्कूल ड्रॉप आउट की समस्या से निपटने के लिए एक खास स्कॉलरशिप राष्ट्रीय साधन–सह–मेधा छात्रवृत्ति शुरू की गई है। यह छात्रवृत्ति खास तौर पर इसलिए डिजाइन की गई है ताकि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई न छोड़ें। छात्रवृत्ति की राशि 12,000 रुपए प्रति वर्ष है।

इस योजना के तहत एक लाख छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, वर्ष 2023–24 के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर छात्रवृत्ति के आवेदनों की ऑनलाइन जमा या पंजीकरण की प्रक्रिया 1 अक्टूबर 2023 को शुरू हो गई। शराष्ट्रीय साधन–सह–मेधा छात्रवृत्ति (एनएमएमएसएस) योजना के तहत कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों को आठवीं कक्षा में पढ़ाई बीच में छोड़ने की समस्या को कम करने के लिए है। इसके साथ ही नवीन से 12वीं कक्षा के छात्रों को माध्यमिक स्तर पर अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि राज्य सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए प्रत्येक वर्ष कक्षा 9 से चयनित छात्रों को कक्षा 10 से 12 में उनके नवीनीकरण पर एक लाख नई छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। नेशनल मीन्स–कम–मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम (एनएमएमएसएस) को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर उपलब्ध कराया गया है। यह छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए वन–स्टॉप प्लेटफॉर्म है।

एनएमएमएसएस छात्रवृत्ति डीबीटी मोड के बाद सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर द्वारा सीधे चयनित छात्रों के बैंक खातों में वितरित की जाती है। यह केंद्र सरकार की योजना है। वे छात्र जिनके माता–पिता की सभी स्रोतों से आय प्रति वर्ष 3,50,000 रुपए से अधिक नहीं है, वे छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के पात्र हैं।

छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए चयन परीक्षा में उपस्थित होने के लिए छात्रों के पास सातवीं कक्षा की परीक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड होना चाहिए (एससी, एसटी छात्रों के लिए 5 प्रतिशत की छूट)। छात्रवृत्ति आवेदन नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर सत्यापन के दो स्तरों से गुजरते हैं। पहला स्कूल स्तर पर संस्थान नोडल अधिकारी (आईएनओ) द्वारा और दूसरा जिला नोडल अधिकारी (डीएनओ) द्वारा सत्यापित किया जाता है।

चकबंदी विभाग के एक दर्जन लापरवाहों पर गिरी गाज

सीएम योगी ने मामले में लेटलतीफी, लापरवाही और अनियमितता पर लिया गया एक्शन, कौशांबी के 6 को किया निलंबित

एजेन्सी

लखनऊ। यूपी के चकबंदी विभाग में संबंधी मामलों के निपटारे में लेटलतीफी, लापरवाही, अनियमितता पर मुख्यमंत्री की सख्त नाराजगी का असर दिखने लगा है। सीएम योगी के कड़े रुख के बाद चकबंदी विभाग में बड़े स्तर पर आधा दर्जन जिलों के चकबंदी अधिकारी से लेकर लेखपालों के खिलाफ कार्रवाई की गयी। चकबंदी आयुक्त ने सीएम योगी के निर्देश के बाद गुरुवार को कौशांबी में तिहरे हत्याकांड में पट्टे की भूमि विवाद में लापरवाही पर चकबंदी अधिकारी समेत 6 लोगों को निलंबित कर दिया है जबकि कुल एक दर्जन लोगों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। इनमें निलंबन से लेकर एफआईआर और यहां तक कि नौकरी से बर्खास्तगी की कार्रवाई भी की गई है। वहीं चकबंदी आयुक्त की ओर से पिछले एक माह में एक दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 16 सितंबर को एनेक्सी में राजस्व की समीक्षा बैठक में लापरवाही और भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये थे, जिसके बाद विभागीय स्तर पर उनकी लिस्ट तैयार की गयी। वहीं सीएम योगी से हरी झंडी मिलते ही ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। जानकारों की मानें तो अभी और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है। चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि कौशांबी में तिहरे हत्याकांड में पट्टे की भूमि विवाद में लापरवाही पर चकबंदी अधिकारी मिथिलेश कुमार, सहायक चकबंदी अधिकारी अफजाल अहमद खां, तीन चकबंदी लेखपाल शिवेश सिंह, शीलवंत सिंह, रवि किरन सिंह और चकबंदीकर्ता राम आसरे को निलंबित कर दिया है वहीं अनियमितता एवं अनुशासनहीनता पर चकबंदी अधिकारी देवराज सिंह की सेवा समाप्त कर दी गयी है जबकि एटा के सहायक चकबंदी अधिकारी सतीश कुमार को पदावन्नत करते हुए मूल वेतन पर नियुक्त किया है। इसी तरह चकबंदी योजना तैयार करने में नियमों का उल्लघंन करने एवं लापरवाही पर शामली, हरदोई के सहायक चकबंदी अधिकारी अनंगपाल सिंह और गजराज को निलम्बित करते हुए विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं चकबंदी में गड़बड़ी की शिकायत पर गठित जांच निदेशालय की टीम की संतुति पर मऊ के चकबन्दीकर्ता तथा चकबन्दी लेखपाल को निलम्बित करने के निर्देश दिये गये हैं। वहीं बस्ती और हरदोई के चकबंदी अधिकारी शरदचन्द्र यादव और प्रेम प्रकाश भारती के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

हेमंत सोरेन ईडी के सामने पेश होंगे या नहीं, हाई कोर्ट में अहम सुनवाई शुक्रवार को

एजेन्सी

रांची। जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए ईडी के पांच समन के बावजूद उपस्थित नहीं होने वाले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रिट पिटिशन पर झारखंड हाईकोर्ट में 6 अक्टूबर को अहम सुनवाई होगी। सोरेन के अधिवक्ता पीयूष चित्रेश द्वारा मामले को मेंशन किए जाने के बाद उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने सुनवाई की तारीख तय की है। सोरेन की याचिका में ईडी की ओर से जारी समन को कानून के खिलाफ बताया गया है। वहीं, पीएमएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं की वैधता को भी चुनौती दी गयी है। गौरतलब है कि जमीन के कागजात में हेराफेरी और खरीद–बिक्री में हेराफेरी के कारण रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, जमीन कारोबारी विष्णु अग्रवाल और अमित अग्रवाल समेत कई आरोपी जेल में हैं। इसी के बाद ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन दर समन जारी कर पूछताछ के लिए ईडी के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रोड स्थित कार्यालय में बुलाया था, लेकिन मुख्यमंत्री किसी भी तारीख पर उपस्थित नहीं हुए। हालांकि उन्होंने ईडी के हर समन के बाद लिखित तौर पर जवाब भेजा। उन्होंने हर समन के जवाब में ईडी को लिखा कि वे कानूनी तौर पर इस कार्रवाई को अदालत में चुनौती दे रहे हैं। अदालत का फैसला आने तक समन स्थगित रखा जाए।

ईडी की ओर से समन जारी करने की शुरूआत आठ अगस्त को हुई थी। तब ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए 14 अगस्त को बुलाया था। दूसरी बार 19 अगस्त को समन जारी कर 24 अगस्त को और तीसरी बार एक सितंबर को समन जारी कर 9 सितंबर को बुलाया था। पर इसी बीच सीएम ने सुप्रीम कोर्ट में रिट पेटिशन दायर कर दिया था। इसके बाद भी ईडी की ओर से चौथा समन जारी कर 23 सितंबर को आने को कहा था। वहीं, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के वकील मुकुल रोहतगी को कोर्ट ने कहा था।

राहुल ने सिक्किम में अचानक बाढ़ से हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सिक्किम में बाढ़ से हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से राहत कार्यों में प्रशासन के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। फेसबुक पर हिंदी में एक पोस्ट में गांधी ने कहा, सिक्किम में बादल फटने की घटना के बाद आई बाढ़ में कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुरूखद है। सभी शोकाकुल परिवारों को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है वे प्रशासन का सभी राहत कार्यों में सहयोग करें। हमारे जवानों सहित सभी लापता नागरिकों की जल्द से जल्द सकुशल वापसी की आशा करता हूं। इस पर शोक व्यक्त करते हुए पार्टी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, षसिक्किम में अचानक आई बाढ़ में 14 लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर से दुरूख हुआ। ये चरम मौसम की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। केंद्र पीड़ितों को राहत पहुंचाने या पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम नहीं उठा रहा है। उन्होंने कहा, जैसा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने मांग की है, सिक्किम के साथ–साथ हिमाचल प्रदेश में बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाना चाहिए और इन राज्यों को नुकसान से बचाने के लिए एक व्यापक राहत पैकेज की घोषणा की जानी चाहिए। इससे पहले दिन में, सिक्किम में बादल फटने और उसके बाद आई बाढ़ में जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी त्रासदियों, जिसमें हिमाचल प्रदेश में हाल की बारिश से संबंधित आपदाएं भी शामिल हैं, को केंद्र द्वारा राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाना चाहिए।

दिल्ली शराब केस: आप नेता संजय सिंह कोर्ट में पेश, अदालत ने ईडी ने पूछा- मोबाइल जब्त को कस्टडी की जरूरत क्यों?

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी ने आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को गुरुवार को पेश किया। ईडी ने कोर्ट से संजय सिंह की 7 दिन की हिरासत में लेने की मांग की है। इस पर कोर्ट में बहस जारी है। कोर्ट ने ईडी से पूछा है कि जब मोबाइल जब्त है तो कस्डटी की क्या जरूरत है।

ईडी ने कहा कि हमने दो–तीन लोगों से आमना–सामना कराना है। जांच एजेंसी ने कहा कि सबूतों के आधार पर पूछताछ करनी है। दो तीन लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया है। कोर्ट ने फिर सवाल किया कि जब सबूत थे तो गिरफ्तारी में इतना टाइम क्यों लगा? कर उत्तर प्रदेश प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि मुझे इस बात का दुख है कि सरकार को ये लगता है कि जो भी उनके खिलाफ है उसे गिरफ्तार कर लो। यादव ने कहा कि एक ही दिन में पत्रकारों और आप नेता की गिरफ्तारी हुई यादव ने कहा कि भाजपा ये समझ ले कि इस बार 100 करोड़ लोग उनके खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि इस बार प्छक्। इसी भाजपा का सफाया करेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि ED, CBI और प्ज इनके (भाजपा) संगठन के हिस्से हैं। इसलिए घबराने की कोई जरूरत नहीं है। बता दें कि आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पार्टी राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के खिलाफ गुरुवार को राजधानी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। आज दिन की शुरुआत में दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि ईडी पिछले 15 महीनों से कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की जांच कर रही है, लेकिन सबूत पेश करने में विफल रही है। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए यह बताने को कहा कि श्री सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी में कितना पैसा बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि एजेंसी को आगे आना चाहिए और देश को इसके बारे में बताना चाहिए। आतिशी ने कहा, "अगर आपके (भाजपा) पास एक पैंसे का भी सबूत है तो वह देश के सामने पेश करें या फिर राजनीति छोड़ दें। भाजपा पर निशाना साधते हुए दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि राज्यसभा सांसद सिंह पर ईडी की कार्रवाई केंद्र सरकार के मन में व्याप्त आगामी लोकसभा चुनाव में हार के डर को दर्शाती है।

सम्पादकीय

संख्याबल की दावेदारी

यह अनुमान पहले से ही था कि आसन्न आम चुनाव से पहले तीसरी बार सत्ता के लिये मैदान में उतरे राजग के विजय रथ को रोकने के लिये विपक्ष कोई बड़ा दांव खेलेगा। पिछले दिनों विपक्षी गठबंधन में एकजुटता की कवायद इसी कड़ी का हिस्सा था। बहरहाल, गांधी जयंती पर बिहार में बहुप्रतीक्षित जातीय जनगणना के परिणामों की घोषणा को विपक्ष के बड़े दांव के रूप में देखा जा रहा है। अब नीतीश सरकार की पहल की तर्ज पर दूसरे राज्यों में जातीय गणना की मांग की जा रही है। देश में नब्बे साल बाद हुई जाति आधारित गणना के परिणाम आशा के अनुरूप ही हैं, जिसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36 फीसदी भागीदारी के चलते बिहार का सबसे बड़ा सामाजिक वर्ग है। इसके बाद पिछड़ा वर्ग 27.13 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर है। जाहिर है ये बड़ा वोट बैंक चुनाव परिणामों में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। दूसरे शब्दों में नीतीश कुमार ने भाजपा की वैचारिक राजनीति के मुकाबले के लिये पहचान की राजनीति का जाति कार्ड खेलने का प्रयास शुरू कर दिया है। एक बार फिर मंडल बनाम कमंडल की तर्ज पर राजनीतिक मंच की तैयारी शुरू हो गई है। भले ही सुप्रीम कोर्ट 6 अक्तूबर को बिहार में जातिगत सर्वेक्षण को मंजूरी देने वाले पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, लेकिन इस जाति आधारित जनगणना ने देश में एक नया राजनीतिक विमर्श तो पैदा कर ही दिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक में ओबीसी उप–कोटा की वकालत की थी। साथ ही महिलाओं को उनकी आबादी के हिसाब से उचित अधिकार देने हेतु जाति–आधारित जनगणना की जरूरत बतायी थी। जिसके जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीबों का है, उनके पास सबसे बड़ी आबादी है। बहरहाल, विभिन्न जातियों के लिये आबादी के हिसाब से कोटा संशोधन की मांग उठने लगी है।

वास्तव में आरक्षण से सामाजिक न्याय का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब इसका लाभ क्रीमी लेयर तक सीमित रखने के बजाय वास्तविक वंचितों को मिलेगा। सामाजिक न्याय की अवधारणा तभी फलीभूत होगी जब वोटबैंक की राजनीति को न्यायसंगत लोककल्याण पर हावी न होने दिया जाएगा। फिक्र यह भी कि वोट बैंक के लिये जिन जातीय समीकरणों को उभारा जा रहा है, उसके चलते जाति संघर्ष के तमाम अप्रिय दृश्य उत्पन्न न हों। बहरहाल, पिछले एक दशक से सेकुलर राजनीति को विस्थापित करती जो राष्ट्रवादी राजनीति देश पर हावी प्रतीत हो रही थी, उसे जाति के दांव के जरिये चुनौती देने की कोशिश हुई है। निस्संदेह इसका प्रभाव आसन्न राजनीतिक समीकरणों पर दिखेगा। अब दूसरे राज्यों में भी ऐसी जाति आधारित जनगणना की मांग विपक्ष करेगा। इंडिया गठबंधन इसके जरिये बढ़त की कोशिश करेगा क्योंकि बिहार में सूत्रधार जेडीयू–आरजेडी इसके घटक हैं। हालांकि, आम चुनाव आते–आते राजनीतिक परिदृश्य में बहुत कुछ बदलेगा, राष्ट्रीय नेता के रूप में नरेंद्र मोदी की स्वीकार्यता अच्छी–खासी है। हम न भूलें कि 2023 का भारत बीसवीं सदी के मंडल दौर से काफी आगे निकल चुका है। मतदाता की शिक्षा, सोच व मतदान का व्यवहार कई अन्य चीजों से भी प्रभावित होता है। वैसे बेहतर होता कि जनगणना के आंकड़े महज जातीय संख्या के बजाय इन जातियों की वास्तविक आर्थिक स्थिति को दर्शाते। ताकि पता चलता कि वास्तव में कौन जाति सबसे ज्यादा पिछड़ी है और किसे अधिक संबल की जरूरत है। आंकड़ों का एक निहितार्थ यह भी है कि यदि राज्य में 84 फीसदी आबादी को किसी न किसी तरह का आरक्षण मिलता रहा है तो इनकी स्थिति में अपेक्षित सुधार क्यों नहीं हुआ? राजग नेताओं का यह सवाल भी वाजिब है कि लालू–नीतीश के कुल 33 साल के शासन में इन वर्गों की स्थिति क्यों नहीं सुधरी है? सवाल यह भी है कि भाजपा सनातन की चादर तले पिछड़ों व अति पिछड़ों को साधने के लिये नया क्या कुछ करती है। बहरहाल, बेहतर होगा यदि जनगणना से हासिल आंकड़ों का उपयोग राज्य के कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान हेतु किया जाए। सवाल यह भी है कि डॉ. अंबेडकर का जातिविहीन, समतामूलक, समरस समाज का सपना कब पूरा होगा?

रूस की सनक से विश्व शांति को खतरा

संजीव ठाकुर

अमेरिका और चीन फिर आमने–सामने आ गए है, इस बार कोई अंतरराष्ट्रीय मुद्दा ना होकर ताइवान के मामले को लेकर अमेरिका और चीन में बेहद तनाव बढ़ गया है। पहले अमेरिका ने ताइवान के बारे में चीन को स्पष्ट बता दिया था कि विस्तार वादी नीति के कारण चीन को आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा, उधर रूस–यूक्रेन युद्ध में पूरा विश्व चिंतित और परेशान है खासकर यूरोप अमेरिका और ब्रिटेन इन्हें चिंता सता रही है कि कहीं पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ परमाणु बम का इस्तेमाल किया तो उसका प्रभाव ज्यादातर यूरोपीय देशों में पड़ने की संभावना होगी और फिर पलटवार से विश्व युद्ध की संभावना बलवती हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ वर्तमान में चीन ने सख्त रुख अपनाते हुए अमेरिका को चेतावनी दे डाली है कि वह अपने हितों की रक्षा करने में किसी भी तरह की रियायत नहीं करने वाला हैस चीन ने कहा कि वह अपने अंदरूनी मामले में किसी को दखलंदाजी नहीं करने देगा एवं अपने हितों की रक्षा करना अच्छे से जानता है,चीन ने कहा कि ताइवान को लेकर अमेरिका पूरे विश्व में गलत संदेश प्रसारित करते आ रहा है। ताइवान के मामले में चीन किसी भी तरह का

समझौता नहीं करेगा, उल्लेखनीय है कि चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग बेनबिन एक बार फिर चीन के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि ताइवान उनका हिस्सा है और चीन अपने हितों की रक्षा करना अच्छे से जानता है वह इतना सक्षम है कि किसी भी देश से मुकाबला करने के लिए तैयार है। यह विदित हो कि हाल ही में चीन ने ताइवान पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से उस पर बलपूर्वक कब्जा करने की धमकी दी थीस विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि ताइवान का मामला पूर्णता उनका अंदरूनी मामला है। ऐसे में विदेशी दखलअंदाजी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जावेगी, कुछ दिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बयान दिया था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो हम निश्चित तौर पर ताइवान की मदद करेंगे, क्योंकि ताइवान की रक्षा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान को ताइवान के प्रशासक तथा आम जनता ने गर्मजोशी से स्वागत किया था, पूरी दुनिया ने इस बात का समर्थन भी किया था। चीन ने अपने जवाब में जबरदस्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ताइवान के मुद्दे पर समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है।

अमेरिका गलत संदेश देना बंद करें क्योंकि चीन अपने आंतरिक हितों की रक्षा करने में कोई भी रियायत नहीं करेगा। अक्टूबर 2020 में चीन ने ताइवान पर बड़ा हमला किया था चीन के लगभग 200 लड़ाकू विमान ताइवान की सीमा पर घुस गए थे और इसके बाद चीन तथा ताइवान में तनाव चरम सीमा पर पहुंच गया था चीन ताईवान को अपने देश का एक हिस्सा मानता है और ताइवान इसका जबरदस्त विरोध करता है। इसके पूर्व चीन ने ताइवान पर बलपूर्वक कब्जा करने की सार्वजनिक रूप से धमकी दी थी और चीन बहुत पहले से कहता आ रहा है कि ताइवान का मामला पूरी तरह चीन का अंदरूनी मामला है और इसमें किसी भी देश की दखलअंदाजी के लिए भी सरसों में स्वीकार नहीं की जावेगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि ताइवान के मामले में किसी भी रियायत की कोई गुंजाइश नहीं है। चीन अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए चीनी लोगों की मजबूत जनता दृढ़ विश्वास एवं प्रतिबद्धता पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए।

इसके पूर्व अफगानिस्तान में तालिबानियों द्वारा अमेरिकी सैनिकों की युद्ध के समय तालिबानियों की मदद की घोषणा की थी और तालिबान राज्य बनने के बाद चीन लगातार अफगानिस्तान में तालिबानियों की आर्थिक मदद कर रहा है। उधर प्रशांत महासागर तथा हिंदी चाइना महासागर पर ऑस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका और भारत की नौसेना ने लगातार चीन की बढ़ती दखलंदाजी को कम करने के लिए क्वाड सम्मेलन करते आ रहे हैं। वैसे भी चीन की जिस विस्तार वादी नीति से एशिया के देश तथा अन्य देश अंदर ही अंदर बहुत विरोध भी करते हैं। चीन ने नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान,और श्रीलंका, तालिबान को आर्थिक मदद देकर अपना गुलाम बना लिया है। किंतु भारत से उसकी परंपरागत दुश्मनी अभी तक चली आ रही है।

अमेरिका के बाद चीन ही सामरिक तथा आर्थिक ताकत बना हुआ है। पर किसी न किसी देश को हमेशा परेशान ही करता आया है। चीन की बढ़ती ताकत को देखते हुए अमेरिका उसे अपने से बड़ी ताकत मानने से इंकार कर उसका हर संभव विरोध भी करता आया है और यह वैश्विक सामरिक संतुलन बनाने के लिए जरूरी भी है क्योंकि चीन अपने अंदरूनी मामलों में एक तानाशाही राज्य का रूप ले चुका है और यदि वह वैश्विक ताकत बनता है तो अंतरराष्ट्रीय शांति को खतरा हो हो सकता है। इसीलिए आंचलिक संतुलन बनाने हेतु भारत तथा अमेरिकी संयुक्त रक्षा प्रणाली की आवश्यकता होगी।

नांदेड़ अस्पताल में मौतों का जिम्मेदार कौन?

एक ओर तो महाराष्ट्र के नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, दूसरी ओर इसे लेकर सियासत तेज हो गई है। जिले के विष्णुपुरी में स्थित डॉ. शंकरराव चव्हाण शासकीय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में पिछले 48 घंटों में 31 मरीजों की मौत हो गई। इनमें लगभग डेढ़ दर्जन बच्चे थे। दवाओं की कमी से हुई इस हृदयविदारक घटना से जहां सारा देश हतप्रभ है, वहीं अब तक वहां की सरकार न तो राहत पहुंचाती दिख रही है और न ही वह एक्शन मोड में आई है। अस्पताल प्रशासन भी एक तरह से हाथ पर हाथ धरे बैठा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने मंगलवार एक कहा है कि सरकारी अस्पताल में मौतों का सिलसिला लगातार जारी है और सरकार को इसके लिए जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। इस मामले को लेकर चौतरफा आलोचना झेल रहे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने साफ किया है कि कोई भी कदम उठाने से पहले वे घटना के बाबत पूरी जानकारी लेंगे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने इसे सरकारी मशीनरी का पूरी तरह से नाकाम होना बताया है। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक श्यामराव वाकोड़े ने बताया कि अनेक ऐसे लोगों की मौतें हुई हैं जिन्हें सांपों ने काटा था या इसी तरह की तकलीफें थीं। अस्पताल को हाफकिन्स इंस्टिट्यूट से दवाएं खरीदनी थीं परन्तु अस्पताल के कई कर्मचारियों के स्थानांतरण के कारण वह नहीं हो सका। अस्पताल के डीन के साथ मरीजों के परिजनों द्वारा किये गये दुर्व्यवहार से वहां का स्टाफ भी बेहद नाराज है। फिलहाल अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज भर्ती हैं जिन्हें देखने वाला कोई नहीं हैं। बताया गया है कि वहां 70 से ज्यादा ऐसे मरीज भर्ती हैं जिनकी हालत गम्भीर है परन्तु दवाएं न मिलने और चिकित्सकों व स्टाफ की कमी से उनका इलाज नहीं हो पा रहा है। ऐसे में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। औरंगाबाद जिले से स्वास्थ्य अधिकारियों की एक कमेटी बनाई गई है जो वहां स्थिति का आकलन कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उल्लेखनीय है कि यह घटना ऐसे वक्त पर हो रही है जब केवल दो माह पहले ठाणे जिले के कलवा अस्पताल में हुई घटना को लोग भूले नहीं हैं, जिसमें एक ही रात में 18 लोगों की मौत हो गई थी। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में भी यह मामला उठा। इस बदइंतजामी को लेकर कई मंत्री नाराज दिखे। बैठक में अजित पवार की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय रहा क्योंकि अपने काम के मामले में अजित पवार बहुत नियमित व अनुशासनप्रिय माने जाते हैं। वे मुंबई में ही थे लेकिन बैठक में शामिल न होना बतलाता है कि वे भी इस मामले को लेकर अपनी ही सरकार से नाराज हैं। बड़ी बात नहीं होगी अगर यह विवाद बढ़ जाये। पिछले दिनों मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री अजित पवार के बीच स्वास्थ्य विभाग क कामकाज को लेकर तनातनी हो गई थी। शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे गुट व भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर बनी सरकार में एनसीपी के अजित पवार भी अपने कुछ साथियों के साथ शामिल हो गये थे।

उन्होंने तंज कसते हुए शिंदे से पूछा था कि कलवा अस्पताल के अब क्या हाल हैं? शिंदे इस पर झेंप गये थे। मामला बढ़ने के पहले ही दूसरे उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस ने बीच–बचाव किया था। नांदेड़ का यह अस्पताल मेडिकल एजुकेशन के अंतर्गत संचालित होता है। इसके विभागीय मंत्री हसन मुशरिफ हैं जो अजित पवार गुट के हैं। दूसरी ओर अस्पतालों को दवाइयां एवं आवश्यक सामग्रियां उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग का है। इसके मंत्री तानाजी सावंत हैं जो एकनाथ शिंदे गुट के हैं। नांदेड़ अस्पताल की इन मौतों ने दो मंत्रियों को भी आमने–सामने ला खड़ा किया है। इस तरह देखें तो नांदेड़ में हुए मौत के तांडव के पीछे एक ही सरकार के भीतर कार्यरत दो अलग–अलग धड़ों के मंत्री हैं और उनमें से कोई भी न तो इस बेहद गम्भीर चूक का दोष स्वीकारने के लिये तैयार है और न ही मिलकर वहां की स्थिति सुधारने का इच्छुक दिखलाई पड़ता है। भाजपा के साथ मिलकर सरकार चला रहे दोनों ही गुट (शिवसेना का शिंदे गुट व एनसीपी का अजित पवार गुट) नांदेड़ में लोगों के आंसू पोंछने की बजाय मंत्रिमंडल विस्तार के मुद्दे को लेकर व्यस्त हैं। इसे लेकर शिंदे और फडनवीस की जल्दी ही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात होने जा रही है। मंत्रिमंडल के 14 पद रिक्त हैं जिनके लिये तीनों ही धड़ों के बीच जोर आजमाईश जारी है। इसलिये सम्भव है कि मौजूदा दौर की क्रूर व निर्मोही राजनीति के पास नांदेड़ जैसे मामले पर ध्यान देने का वक्त ही न हो। नांदेड़ अस्पताल में जो हुआ और हो रहा है, वह बहुत ही दर्दनाक है जो बतलाता है कि जिस तरह की जोड़–तोड़ से यह सरकार बनी है उसके पास कुशल प्रशासकीय क्षमता का अभाव तो है ही और जिस प्रकार से अलग–अलग धड़ों के मंत्रियों के बीच खींचतान हो रही है उससे भुगतना तो जनता को ही पड़ेगा। कलवा अस्पताल वाले मामले से कोई सबक न लेकर नांदेड़ अस्पताल जैसे कांड का इंतजार करने वाली महाराष्ट्र सरकार से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि उसके लिये लोगों की जान से बढ़कर सरकार बनाना और महत्वपूर्ण पद अपने धड़ों के विधायकों को दिलवाना मात्र है। फिर भी आशा की जाये कि सरकार वहां की स्थिति को तुरंत सम्भाले और लोगों को अकारण मौतों का शिकार होने से बचाये।

बुंदेलखंड के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होगी केन-बेतवा लिंक परियोजना

विष्णु दत्त शर्मा

बुंदेलखंड की दो दशक पुरानी आस अब पूरी हो रही है। 18 साल से लंबित केन–बेतवा लिंक परियोजना का शुभारंभ क्षेत्र की प्यास के बुझने के साथ ही जीवन बदलने का ऐतिहासिक पड़ाव भी है। चार दशक से बुंदेलखंड की जनता को जिस दिन का बेसब्री से इंतजार था,वह दिन अब आ गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल जी ने देश में 37 नदियों को आपस में जोड़कर जल संकट को दूर करने का बीड़ा उठाया था, उसमें केन–बेतवा लिंक परियोजना भी थी, उसे अब मूर्त रूप मिल गया है। यह भारत की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। इसको अंतर्राज्यीय नदी हस्तांतरण मिशन के लिये एक मॉडल योजना के रूप में माना जाता है। लेकिन दुर्भाग्य से अटल जी के बाद की यूपीए सरकार ने इसमें रुचि नहीं दिखायी। हालांकि बुन्देलखंड की दुर्दशा पर राजनीतिक रोटियाँ जरुर सेकीं। अटल जी ने नदियों को जोड़ने की जो परिकल्पना की थी, उनमें से केन–बेतवा पहला लक्ष्य था। देश में जल के संकट से सर्वाधिक प्रभावित बुन्देलखंड का ही क्षेत्र था, जिसका निदान मानवता की माँग थी। स्वाधीन भारत में सर्वाधिक राजनीतिक रोटियाँ बुंदेलखंड के पिछड़ेपन पर ही सेकी गईं। राजनीतिक पर्यटकों ने इसकी दुर्दशा की तस्वीरों को देश–विदेश में भी खूब प्रचारित किया, लेकिन जिनके हाथों में सात दशक तक इसके तकदीर की चाभी थी, उन्होंने उससे हर बार छल किया और बुंदेलखंड की दशा जस की तस बनी रही। जिस बुंदेलखंड की वीरता की गाथाएँ साहस देती हैं, वही बुंदेलखंड पानी के समर में कई दशकों से मात खाता रहा। उजड़ते गाँव और पलायन बुंदेलखंड की त्रासदी का वृतांत बताते हैं। बुंदेलखंड की जनता के जीवन में हर दिन अंधकार और अधिक घना होता गया और सपनों के सौदागर उन्हें सब्जबाग दिखाते रहे। कड़वा सच है कि विगत दशकों में बुन्देलखंड से करोड़ों लोग पलायन कर गये। पशुधन को बचाना, कृषि कार्य करना, जीवन के लिए जरूरी पानी जैसी समस्याएँ बुन्देलखंड की नसीब बन गयीं और जन–जीवन में और अँधेरा छाता चला गया। लेकिन अब बुंदेलखंड के इतिहास में नया सवेरा आने वाला है। जल, वन–भूमि साझाकरण और अधिग्रहण में आने वाली कठिनाईयों से जूझ रही केन–बेतवा लिंक परियोजना अब शुरू हो रही है। इस महान परियोजना की अनेक अड़चनें दूर हुईं और विश्व जल दिवस पर 8 मार्च को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में यूपी और एमपी सरकारों ने इसके लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। सारी बाधाओं को पार कर अब मोदी सरकार ने 45 हजार करोड़ वाली केन–बेतवा लिंक जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजना को जमीन पर उतार कर यहाँ समाज–जीवन की सरलता के सारे मार्ग प्रशस्त कर दिये हैं। इस परियोजना में 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी और शेष मध्यप्रदेश व उत्तर प्रदेश वहन करेंगे। इसके तहत केन नदी से बेतवा नदी में पानी भेजा जाएगा और 221 किलोमीटर लंबी संपर्क नहर निकाली जाएगी, जो झांसी के निकट बरुआ में बेतवा नदी को जल उपलब्ध कराएगी। केन–बेतवा लिंक प्रोजेक्ट से नॉन मानसून सीजन (नवंबर से अप्रैल के बीच) में क्रमशः मध्यप्रदेश को 1834 तथा उत्तर प्रदेश को 750 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिल सकेगा। इसका लाभ मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, सागर और दतिया के साथ–साथ शिवपुरी, विदिशा और रायसेन सहित अन्य जिलों को भी मिलेगा। केन–बेतवा लिंक कार्य के पूरा हो जाने से जहां 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा पहुंचाई जा सकेगी, वहीं 41 लाख लोगों को सहज तौर पर पीने का पानी मिल पाएगा। बुंदेलखंड में आने वाले उत्तर प्रदेश के 2 लाख 52 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल की सुविधा भी इससे मिल सकेगी। बाद में 103 मेगा वाट पनबिजली और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा भी पैदा की जा सकेगी। भले ही देश में जल–संकट पर छिटपुट चर्चाएँ होती रहीं हों परन्तु यह एक अटल सत्य है कि 1999 में एनडीए सरकार बनने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल जी ने ही पहली बार नदी जोड़ो परियोजना पर काम शुरू किया था। उस समय एक टॉस्क फोर्स का गठन करके आधारभूत कार्य किया गया। इस टॉस्क फोर्स ने देश की नदियों का वर्गीकरण करके एक रूपरेखा रखी कि किन नदियों को जोड़कर देश को पानी की समस्या से मुक्ति दिलाई जा सकती है। हालांकि बीच में यह योजना ठंडे बस्ते में डाल दी गई लेकिन अब यहां की जनता का जीवन बदलने का रास्ता खुल गया है।मोदी सरकार ने केन–बेतवा लिंक परियोजना के लिए राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण को इसकी कमान सौंपी तथा प्राधिकरण की मॉनिटरिंग का जिम्मा केंद्रीय जल संसाधन मंत्री को दिया । इसके लिए अप्रैल 2015 में एक स्वतंत्र कार्यबल भी गठित किया था। अब देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना के रूप में केन–बेतवा लिंक प्रारंभ हो रही है और बुंदेलखंड की जनता का भी सपना पूरा हो रहा है।बुंदेलखंड की जीवन रेखा केन–बेतवा लिंक परियोजना अब यहां युगांतकारी परिवर्तन लाएगी। जल–संकट खत्म होने के साथ ही महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। उन्हें मीलों सिर पर पानी ढोने से निजात मिलेगी। पानी की उपलब्धता से स्वच्छता बढ़ेगी और उनका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। इस परियोजना से बुंदेलखंड में सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक स्तर ऊँचा होगा। नहरों का विकास होगा, पनबिजली से सस्ती बिजली मिलेगी तथा वनीकरण भी बढ़ेगा। आर्थिक समृद्धि आने से जीवन बदलेगा और बुंदेलखंड की सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति रुझान बढ़ेगा तो पर्यटन उद्योग भी निखरेगा। खाद्य सम्पन्नता और रोजगार के अवसर मिलेंगे तो पलायन पर विराम लगेगा।आज जिस बुंदेलखंड की पहचान अकाल और सूखा की है, वह बुंदेलखंड भविष्य में हरियाली से पहचाना जाएगा। जो बुंदेलखंड गरीबी से जाना जाता है,वह समृद्ध बुंदेलखंड बनेगा और भविष्य में अपने गौरवशाली अस्मिता के साथ सारी दुनिया को आकर्षित करेगा।

पैसे सूंघना जानते हैं तो नौकरी के पीछे भागने की जरूरत नहीं

पैसे सूंघ लेना कला भर नहीं है कि बाजार में मांग–आपूर्ति के बीच का अंतर समझ लिया और वह उत्पाद बना दिया। बल्कि यह इसकी गहरी समझ है कि लोगों का समूह बड़ी मात्रा में पैसे कहां खर्च करता है और उसमें हिस्सेदारी लेने की योजना बनाना भी है। अगर आपको ये पंक्ति भ्रमित कर रही है, तो कुछ उदाहरणों से इसे समझते हैं। भारत में शादियों का मार्केट 130 अरब डॉलर का है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सैकड़ों की संख्या में भव्य–रईस शादियां होती हैं। मैंने खुद तुर्किये के अंतालिया में बहुत महंगी होटल 'मर्दन पैलेस' देखी है, जहां भारत से ज्यादा पैसा खर्च करने वाले रईसों को लुभाने के लिए भारतीय शेफ और इवेंट मैनेजर्स रखे हुए हैं, ताकि वे अपनी प्यारी बेटियों की शादी वहां कर सकें। चूंकि इवेंट मैनेजर्स भारत से हैं, ऐसे में वे उनकी अभिरुचियों से परिचित हैं और उन्हें संतुष्ट करने के लिए हर तरह की संभावनाओं के लिए तैयार रहते हैं। इस साल मार्च में जब मैं इस होटल में गया, तो देखा कि वहां एक के बाद एक छह शादियां थीं। वे अपना एक तिहाई मुनाफा तो अकेले भारतीय शादियों से बना लेते हैं। कॉर्पोरेट द्वारा पैसे सूंघने और उस हिसाब से बिजनेस रणनीतियां बनाना गुजरी बात हो चुकी है। नई कहानी ये है कि पश्चिमी देशों के युवा पैसे सूंघने की कला का प्रशिक्षण ले रहे हैं और अब वे इंटर्नशिप के लिए भारत आ रहे हैं, खासकर राजस्थान, जहां सैकड़ों की संख्या में घरेलू डेस्टिनेशन वेडिंग हो रही हैं। वे राजस्थान आते हैं क्योंकि दुनियाभर में यह चमक–दमक वाली शादियों के लिए सबसे अच्छे भारतीय वेन्यू के रूप में जाना जाता है। वे न सिर्फ राहु–काल, शुभ दिन, मुहूर्त जानते हैं, यहां तक कि रंगों के तालमेल के बारे में भी जानते हैं जैसे मेहंदी के दौरान हरा–पीला, शादी में कुमकुम के साथ मैच करने के लिए लाल और गुलाबी और रिसेप्शन के लिए स्काई ब्लू और पेस्टल कलर होते हैं। आप जानकर चौंक जाएंगे कि ये स्टूडेंट ब्रिटेन जैसे विकसित देश में आधिकारिक रूप से हो रहे वेडिंग प्लानिंग कोर्स का हिस्सा हैं, जहां के कॉलेज स्टूडेंट्स को दो–तीन महीने की पेड इंटर्नशिप के लिए राजस्थान भेज रहे हैं! वे यहां तक टेलर्स के साथ भी नेटवर्किंग कर रहे हैं ताकि न केवल दूल्हे और दुल्हन की ड्रेस के साथ अंतिम समय में होने वाली गड़बड़ी से बचा जा सके, बल्कि समारोह में शरीक हो रहे निकटतम परिजनों को भी दिक्कत न हो। वो इसलिए क्योंकि सिर्फ यहां रहने वाले भारतीय ही विदेशों में शादियां नहीं कर रहे, एनआरआई की भी बड़ी तादाद है, जो बच्चों की शादी के लिए भारतीय वेन्यू नहीं चुन रहे। उनका ये सोचना है कि रिश्तेदारों को किसी तीसरी जगह बुलाने में कम मगजमारी होती है और उन्हें विशुद्ध मेजबान जैसी भूमिका में नहीं रहना पड़ता, जिससे ज्यादा उम्मीदें हों। इसलिए ये युवा पश्चिमी छात्र भारत में इंटर्नशिप करके सीख रहे हैं कि प्रवासी भारतीयों की इस नई मांग को पूरा करने के लिए एक भव्य शादी का आयोजन कैसे किया जाए। अगर आप सोच रहे हैं कि इसके अलावा भी कोई और उदाहरण है, तो मैं आपका ध्यान एक आंकड़े पर ले जाना चाहता हूं कि देश में ड्राइवर्स को जितनी नौकरियां ऑफर हुईं, उसकी तुलना में कार ज्यादा बिकीं। भारत में ज्यादातर लोग कार खुद चलाते हैं, जबकि कार मालिक को कार की किसी गड़बड़ी के बारे में बहुत कम पता होता है। जिन युवाओं ने सूंघ लिया है कि इसमें भी पैसा है, उन्होंने खुद को 'ऑटोमोबाइल डॉक्टर्स' के तौर पर डिजाइन किया है और उन कार मालिकों के पास जाते हैं, जिनके पास ड्राइवर नहीं हैं। वे कार ठीक नहीं करते बल्कि कार में दिक्कत पहचानते हैं और फिर परामर्श देते हैं कि आपकी कार में क्या रिपेयर करना होगा। लोग मुख्य रूप से ऐसी सेवाएं पसंद करते हैं।

आज का राशि फल

मेष :– कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में परिश्रम तीव्र होगा। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई–नई युक्तियाँ उत्पन्न होंगी।

बृषभ :– रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में लिया गया निर्णय हानिकारक हो सकता है। जो बीत गयी उसे भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें।

मिथुन :– दूसरों की सफलता से अपने अन्दर हीन भावना ना पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर और स्थान परिवर्तन के भी योग हैं। किसी सहकर्मी खराब व्यवहार से कष्ट संभव।

कर्क :– प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्य क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। किसी विपरीत लिंगी सम्बन्ध में आकर्षण बढ़ेगा।

सिंह :– नाजुक सम्बन्धों मे भावनात्मक ताल–मेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायां के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव। भावनात्मक अभिव्यक्ति सम्बन्धों मधुरता बढ़ेगी। कुछ नये उत्साह की अनुभूति करेंगे।

कन्या :– पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दूसरों की आलोचना का अपने मनोबल पर असर न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता से प्रगति के अच्छे अवसर मिलेंगे।

तुला :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्य क्षेत्र में कठिनाईयाँ संभव। जीविका क्षेत्र में नए आयाम उत्साहित करेंगे।

वृश्चिक :– आसीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित होगा, अतरू इसे सुधारें। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिन्तित होंगा। मन आपसी तालमेल बैठाने में असमर्थ होगा।

धनु :– दूसरों की बात इधर से उधर करना आपको शोभा नही देता। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होग। परिवारिक संबंधों में कटुता पैदा न होने दें। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा।

मकर :– अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। रोजगार में सफलता के योग हैं। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव।

कुंभ :– कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। राजनैतिक सरगर्मियाँ आपकी व्यस्तता बढ़ाएंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आर्थिक परेशानी पैदा हो सकती हैं।

मीन :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। अपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। थोड़ धैर्य पूर्वक वक्त का इन्तजार करें। स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

स्वयं सेविकाओं का पूर्व गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में पूर्व गणतंत्र दिवस परेड 2023 हेतु चयन शिविर में शुक्रवार को सम्बद्ध जनपदों के विभिन्न महाविद्यालयों एवं महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ से संबद्ध महाविद्यालयों से आए 100 स्वयंसेवकों में से 09 स्वयंसेविकाओं का विभिन्न मापदंडों के आधार पर चयन किया गया। चयन शिविर की शुरुआत कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षकत्त्व में मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा निकालकर की गई। इस दौरान पंचप्रण प्रतिज्ञा की भी शपथ दिलाई गई।

पूरी चयन प्रक्रिया कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव, भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के रासेयो क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ के युवा अधिकारी समरदीप सक्सेना, आजमगढ़ राज्य विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अभिमन्यु यादव, तिलकधारी पीजी कालेज के संगीत विभाग के असिस्टेण्ट प्रो.नरेन्द्र देव पाठक, एनसीसी यूपी 96 बटालियन के एएनओ श्री दिनेश कुमार की देख–रेख में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकांत यादव डॉ. अवधेश मौर्य एवं महाविद्यालयों के कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहें।

एमसीए की रिक्ति सीटों पर काउंसिलिंग 11 और 12 को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विषयों में सत्र 2023–24 में प्रथम काउंसिलिंग के उपरान्त पीयू कैटध एकेटीयू से शेष बचीं सीटों पर द्वितीय एवं तृतीय काउंसिलिंग की तिथियां निर्धारित की गई हैं। एम.सी.ए. में प्रवेश हेतु आरक्षित वर्ग (एससी,एसटी ओबीसी) के अभ्यर्थियों की द्वितीय काउंसिलिंग 11 अक्टूबर तथा शेष बची सीटों के लिए तृतीय काउंसिलिंग 12 अक्टूबर को होगी। एम.सी.ए. की काउंसिलिंग प्रातः 10 बजे से 12 तक इंजीनियरिंग संकाय के विश्वैश्वरैया हाल में होगी। यह जानकारी कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष ने दी है।

सेवई फैक्ट्री में लगी आग,6 गाड़ियों ने दो घंटे में आग पर पाया काबू

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गुरुवार सुबह ठाकुरगंज थाना की रिंग रोड चौकी के पास सेवई बनाने की फैक्ट्री में आग लग गई। वहां के कर्मचारियों ने पानी डालकर आग पर बुझाने की कोशिश की, लेकिन कामयाब न होने पर पुलिस और फायर स्टेशन फोन कर जानकारी दी। चौक, हजरतगंज और आलमबाग फायर स्टेशन से पहुंची छह गाड़ियों ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया। दूसरी तरफ हसनगंज में एक कबाड़ की दुकान में आग लग गई।

पशुओ के साथ सम्मान व दयालुता का व्यवहार करें विश्व पशु कल्याण दिवस पर एस के डी अकादमी के बच्चों ने लोगों को जागरूक करते हुए संकल्पं लिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी अकादमी की सभी शाखाओं में विश्व पशु कल्याण दिवस पर जानवरों के साथ सम्मान व दयालुता का व्यवहार किया जाना चाहिए इस विषय पर चर्चा हुई व पशुओं की सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

विश्व पशु कल्याण दिवस व्यक्तियों, समुदायो और राष्ट्रों को पशु कल्याण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। जन जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं और सेमिनार लोगों को जानवरों के साथ नैतिक व्यवहार के बारे में और अधिक जानकारी दे सकते हैं।

संस्था के निदेशक मनीष सिंह ने विश्व पशु कल्याण दिवस पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस विषय पर सभी का जागरूक होना एवं कैसे पशुओं को क्रूरता से बचाये इस सम्बन्ध में शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्कूल और शैक्षणिक संस्थान कम उम्र से ही जानवरों के प्रति सहानुभूति और करुणा की भावना को बढ़ावा देते हुए पशु कल्याण शिक्षा को अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करें।

अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध औचक जांच का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मंडल के वाणिज्य विभाग की कैटरिंग टीम द्वारा अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध एक औचक जांच का आयोजन किया गया स इस जांच के दौरान टीम द्वारा गाड़ी संख्या 15707 (कटिहार–अमृतसर एक्सप्रेस) के बाराबंकी स्टेशन पहुँचने पर सघन जांच की गयी एवं इस जांच के दौरान 06 वेंडरों को गाड़ी पर अनाधिकृत रूप से खानेपीने के पैकेट,अप्रमाणित पानी की बोतलें इत्यादि को बेचते हुए पकड़ा गया द्य पूछताछ करने पर इन वेंडरों के पास से किसी भी प्रकार का कोई वैध प्राधिकार पत्र नहीं पाया गया अतः इन अनाधिकृत वेंडरों को अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु रेल सुरक्षा बल, बाराबंकी के सुपुर्द कर दिया गया द्य इसके अतिरिक्त इस चेकिंग के दौरान 04 अन्य वेंडरों को ऐसे खाने पीने के पैकेटों के साथ पकड़ा गया जिनके द्वारा बेचे जाने वाले पैकेटों पर मूल्य,वैधता ,वजन इत्यादि का स्टीकर नहीं लगाया गया था ५अतः इन चारों वेंडरों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही केरते हुए प्रति वेंडर रू० 1000६– का जुर्माना लगाते हुए कुल 4000६– रू० जुर्माने के रूप में वसूला गया ५ रेल प्रशासन अपने सम्मानित यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे अधिकृत खानपान स्टाल व वेंडरों से ही खानपान सामग्री खरीदे द्य किसी भी प्रकार सहायता अथवा शिकायत के लिए रेलवे हेल्पलाइन संख्या 139 पर अथवा रेल मदद ऐप पर संपर्क करें ।

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव निवासी फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ के पैतृक निवास स्थान पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन गुरूवार को श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया। कथा की शुरूआत इन्द्रभान सिंह इन्दु प्रांतीय उपाध्यक्षधजिलाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल प्रतिनिधि ा,रत्नाकर चौबे वरिष्ठ सपा नेता,डा. जय प्रकाश सिंह सुभासपा राष्ट्रीय महासचिव ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया।छठे दिन व्यास पीठ पर विराजमान कथावाचक बाल व्यास शशिकान्त महराज(श्रीकाशी)ने रास पांच अध्याय का वर्णन किया।श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया।कहा कि महारास

में पांच अध्याय हैं।उनमें गाये जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण हैं जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है वह भव पार हो जाता है।उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है।कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान,कंस का वध,महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, कालयवन का वध,उधव गोपी संवाद, ऊधव द्वारा गोपियों को अपना गुरु बनाना,द्वारका की स्थापना एवं रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण पाठ किया गया।

कथा के दौरान कथावाचक शशिकान्त महराज ने कहा कि महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया और महारास लीला के द्वारा ही जीवात्मा परमात्मा का ही मिलन हुआ।जीव और ब्रह्म के मिलने को ही महारास कहते है।इस अवसर पर डा.अवधनाथ पाल सपा जिलाध्यक्ष ,राजेश यादव थानाध्यक्ष जलालपुर,विनोद सेठ समाजसेवी,संजय सिंह कोर्री,गायक चिन्टू सरगम,गुलाब राही,मनीष दुबे मंजुल,जिग्नेश मौर्य भ्रमण,प्रदीप सिंह,अनुराग वर्मा,नागेन्द्र सेठ,अरविन्द विश्वकर्मा,विनय वर्मा,सुदर्शन मिश्रा,हरिशंकर मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

डीसीपी पूर्वी क्राइम टीम एवं पीजीआई पुलिस ने की तीन वांछित अभियुक्तकी गिरफ्तारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस कमिश्नर एस. बी. शिरडकर, डीसीपी पूर्वी ह्रदेश कुमार, व सै0 अली अब्बास अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी के निर्देशन एवं अभिनव सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट लखनऊ के कुशल पर्यवेक्षण में अमित कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना–पीजीआई के नेतृत्व में उ0नि0 विकास कुमार तिवारी, उ0नि0 अनुज प्रताप सिंह, हे0का0 रामू, का. अंकुर चौधरी, का.रविन्द्र कुमार व पालीगन के कर्मचारीगण हे0का0 मुत्युंजय सिंह व क्राइम टीम डीसीपी पूर्वी हे0का0 मनोज सिंह, हे0का0 परशुराम राय, का0 अजय, का0 विशाल कुमार का. हितेश सिंह, का० सचिन तोमर व का० हरी किशोर के साथ रवाना होकर देखभाल क्षेत्र रोकथाम जुर्म जरायम चेकिंग सन्दिग्ध व्यक्ति वाहन व क्षेत्र में हुई लूट की घटना के बारे में अभियुक्तो की जानकारी

हेतु क्षेत्र में मामूर होकर चिरैयाबाग बस अड्डे के पास आया जहाँ पर बैरियर लगाकर बिना नम्बर प्लेट की गाडियो व सन्दिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जाने लगी. डीसीपी पूर्वी कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में डीसीपी पूर्वी ह्रदेश कुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि चेकिंग के दौरान ही मुखबिर खास द्वारा जानकारी मिली कि कुछ दिन पहले जो एजियाबोटनिका अपार्टमेन्ट के पास महिला से चौन लूट करने वाले अभियुक्तों से मिलते जुलते लोग बरौली नहर पर कहीं जाने की फिराक मे खड़े है। इस सूचना पर पुलिस वालों द्वारा मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान पर पहुचकर खड़े तीनो व्यक्तियो को एक बारगी दबिश देकर पकड लिया गया। थाना पुलिस एवं डीसीपी क्राइम टीम ने व्यक्तियों से नाम पता पूछा गया तो एक ने अपना नाम दिनेश कुमार मोदी पुत्र भाविन मोदी निवासी मोहल्ला सिध्देश्वर नगर थाना सिधौली जनपद सीतापुर बताया तथा दूसरे ने अपना नाम सुफियान पुत्र इस्माइल निवासी मोहल्ला सिद्धेश्वर नगर थाना सिधौली जनपद सीतापुर व तीसरे व्यक्ति ने अपना नाम जयस रस्तोगी उर्फ दीपचन्द सोनी पुत्र स्व0 अवधेश कुमार निवासी रामबिहार कालोनी फैजुल्लागंज थाना मडियांव लखनऊ बताये। जिनको गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ब्लॉक स्तरीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नारसन, हरिद्वार। ब्लॉक स्तरीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता आज संपन्न हो गई। यह प्रतियोगिता अंडर 14, अंडर 17 तथा अंदर–19 बालक बालिकाओं की थी इस प्रतियोगिता में प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता का बढ़–चढ़कर प्रयोग किया।

ब्लॉक खेल संबंधित पवन राणा ने कहा इस प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी 13, 14, 15 अक्टूबर को जनपदीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता राजीव गांधी नवोदय विद्यालय रोशनाबाद हरिद्वार में आयोजित होगी उसमें भाग लेंगे।

प्रतियोगिता का समापन प्रधानाचार्य संजीव कुमार राणा, मनीष श्रीवास्तव तथा डॉक्टर तेजवीर सिंह जी द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि ने विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजीव कुमार राणा जी ने विजेता खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। डॉक्टर तेजवीर सिंह तथा मनीष श्रीवास्तव ने प्रतिभागी खिलाड़ियों बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को अनुशासन में रहकर अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए।

अंत में प्रतियोगिता का समापन प्रधानाचार्य संजीव कुमार राणा के आभार द्वारा हुआ।

आठ अक्टूबर को सायं साढ़े चार बजे जनेश्वर मिश्र पार्क में महानाट्य जाणता राजा कार्यक्रम स्थल का होगा भूमि पूजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दिव्य प्रेम सेवा मिशन एक स्वैच्छिक सेवा संगठन है जो हरिद्वार में कुष्ठ पीड़ित, अनाथ, असहाय निराश्रित लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वावलम्बन के अनेक प्रकल्पों का संचालन निःशुल्क रूप से समाज के सहयोग से विगत 27 वर्षों से निरन्तर कर रहा है।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा दिनॉक 26 से 31 अक्टूबर 2023 तक हिंदवी स्वराज्य स्थापना के 350वें वर्ष पर छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित विश्व के सबसे बड़े महानाट्य श्जाणता राजाश का आयोजन लखनऊ, उ०प्र० के जनेश्वर मिश्र पार्क में किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों एवं 8 अक्टूबर को आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के संदर्भ में एक प्रेस वार्ता का आज दिनांक 6 अक्टूबर 2023, शुक्रवार को दोपहर 2रू00 बजे दयाल पैराडाइज, दयाल चौराहा, गोमती नगर लखनऊ में आयोजित की गयी।

प्रेस वार्ता को दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गौतम , जाणता राजा आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश दयाल , सेवा मिशन के संयोजक संजय चतुर्वेदी एवं जाणता राजा आयोजन समिति के संयोजक अमरजीत मिश्र ने सम्बोधित किया।

आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश

दयाल ने महानाट्य के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि जाणता राजा महानाट्य की अवधारणा के बारे में आपके साथ चर्चा करना हमारे लिए खुशी की बात है। भारत, इंग्लैंड सहित दुनिया भर में 1200 से अधिक मंचन हो चुका है। 70 लाख से अधिक दर्शकों द्वारा प्रशंसित। 2 लाख वर्ग फीट का चार मंजिला नाट्य मंच 250 कलाकारों की उत्कृष्ट प्रस्तुति। 20 फीट ऊँची माँ तुलजा भवानी की भव्य प्रतिमा । 2 लाख वर्ग फीट की विशाल रंगभूमि, हाथी, घोड़े ऊँट और बैलगाड़ियां, पालकी का प्रत्यक्ष प्रयोग अत्याधुनिक ध्वनि, प्रकाश व्यवस्था, शानदार आकर्षक आतिशबाजी, उत्कृष्ट संगीत से सुसज्जित जाणता राजा महानाट्य हमारे भीतर छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन चरित्र को उतारते चले जाते हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है रामराज्य की कल्पना! नाट्य में शुरू से लेकर अंत तक हिंदवी स्वराज का ही वर्णन है।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गौतम ने कहा कि इस महानाट्य को आयोजित करने का निर्णय दो सात्विक उद्देश्यों के लिए किया गया है पहला यह कि वर्तमान युवा पीढ़ी के सामने एक ऐसे महान योद्धा के चरित्र की प्रस्तुति हो जिसे देखकर व समझकर युवा पीढ़ी अपने जीवन की दशा–दिशा तय कर सकें। अपनी संस्कृति एवं इतिहास अनेक वीरों की शौर्य गाथाओं से भरा हुआ है परन्तु समाज के एक बड़े वर्ग को इसकी जानकारी तक नही है। उन्ही वीरों में से एक हैं छत्रपति शिवाजी महाराज। दूसरा पवित्र उद्देश्य यह है कि संवेदनशील समाज को दिव्य प्रेम सेवा मिशन के सेवा कार्यों से जोड़ना। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिये सेवा मिशन द्वारा सवा लाख शुभचिन्तक सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ. आशीष गौतम जी ने आगे बताया कि कार्यक्रम को सवा लाख लोगों को दिखाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये लखनऊ एवं आस पास के 40 से अधिक जिलों में संगोष्ठी एवं बैठक का आयोजन किया जा चुका है। कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग एवं हर आयु वर्ग के लोग सम्मिलित हों ऐसा प्रयास किया जा रहा है।

सेवा मिशन के संयोजक संजय चतुर्वेदी ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम के संदर्भ में आगामी 8 अक्टूबर 2023 को जनेश्वर मिश्र पार्क में सायं 4रू30 बजे कार्यक्रम स्थल का भूमि पूजन किया जाएगा। साथ ही बाबा सत्य नारायण मौर्य द्वारा भारत माता की आरती कार्यक्रम की प्रस्तुति की जायेगी। जिसमें प्रमुख रूप से परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के स्वामी चिदानंद मुनि जी महाराज, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और लखनऊ के सभी सम्मानित विधायक, विधान परिषद सदस्य एवं महापौर सहित हजारों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

एयरटेल ने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के लिये स्पेशल प्लान्स की घोषणा की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जैसा कि आज से देश भर में क्रिकेट के प्रति दीवानगी छा रही है, एयरटेल ने अपने ग्राहकों के लिये विस्तृत फायदों के साथ स्पेशल क्रिकेट प्लान्ड्स की घोषणा की है।

सारे प्रीपेड ग्राहकों के लिये एयरटेल ने एक खास डाटा पैक लॉन्च किया है, ताकि मैचों की स्ट्रीमिंग करते वक्त ग्राहक कनेक्टेड रहें और उनका डाटा खत्म न हो।

अब 99 रूपये में 2 दिनों के लिये अनलिमिटेड डाटा मिलेगा

49 रूपये में 1 दिन के लिये 6जीबी डाटा मिलेगा

एयरटेल डीटीएच स्पेशल रिचार्ज ऑफर्स के लिये स्ट्रार के साथ गठजोड़ कर रहा है। कंपनी ने ग्राहकों के लिये स्ट्रार स्पोर्ट्स के पोर्टफोलियो से चौनलों को ऐड करने की प्रकिया भी आसान बना दी है।

एयरटेल एक्स्ट्रीम बॉक्स पर ग्राहकों के लिये एक क्विक–ऐक्सेस प्रोमो–रेल चलाई जा रही है, ताकि वे क्रिकेट मैच के प्रसारण को तुरंत अपनी पसंदीदा भाषा में चला सकें।

सोशल कैम्प्येन रू क्रिकेट के प्रति दीवानगी बढ़ाने के लिये एयरटेल एक सोशल मीडिया कैम्प्येन लॉन्च कर रहा है और क्रिकेट के सभी दीवानों के लिये अलग–अलग प्लेटफॉर्म्ग्स को सक्रिय कर रहा है।

ओपनसिग्न्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारती एयरटेल के यूजर्स इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) वर्ल्ग्ड कप 2023 के स्ग्टेडियमों में नेटवर्क के बेहतरीन अनुभव और सबसे तेज अपलोड स्ग्पीड का आनंद उठाते हैं। 05 अक्ग्टूबर, 2023 से शुरू हुए आईसीसी वर्ल्ग्ड कप के पहले ही, ओपनसिग्न्नल ने भारतीय मोबाइल ऑपरेटर्स के प्रदर्शन का आंकलन करने के लिए सभी स्ग्टेडियमों में मोबाइल नेटवर्क के अनुभव को परखा था। खासकर 5जी नेटवर्क पर एयरटेल ने सभी स्ग्टेडियमों में वॉइस ऐप्स के साथ सबसे बढिग्या अनुभव दिया। रिपोर्ट के अनुसार, एयरटेल ने आबादी के लिहाज से भारत के 40 सबसे बड़े शहरों में मोबाइल लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के मामले में दूसरे ऑपरेटर्स की तुलना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इनमें से ज्यादातर शहरों में लाइव वीडियो और 5जी लाइव वीडियो के अनुभव में एयरटेल का प्रदर्शन सबसे जबर्दस्त रहा।

पीसीएफ की 50वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री, (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने पीसीएफ के विगत छः वर्षों में किये गये कार्यों की प्रशंसा करते हुये कहा कि सहकारिता विभाग तथा पीसीएफ नये आयामों को छू रहा है। चाहे बात उर्वरक या बीज उपलब्ध ा कराने की हो, मूल्यसमर्थन योजनान्तर्गत कृषकों की उपज जैसे गेहूँ, धान दलहन–तिलहन का क्रय करने की हो अथवा वेयर हाउसिंग की हो पीसीएफ द्वारा सभी क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। श्री राठौर ने ये बाते आज इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान में आयोजित पीसीएफ की 50वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक में कही। इस अवसर पर पीसीएफ के नये वेब पोर्टल एवं मोबाईल एप्लीकेशन का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कहा कि पीसीएफ का सहकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान है, बिना पीसीएफ के कृषक हित एवं सहकारिता अभियान को गति देना असम्भव है। पीसीएफ द्वारा सहकार से समृद्धि की संकल्पना को चरितार्थ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों ने बी–पैक्स सदस्यता महाअभियान में बढ़–चढ़कर सदस्यता ली है, जिसके परिणामस्वरूप सितम्बर माह में आयोजित सदस्यता महाअभियान में 29 लाख नये सदस्य बने, बल्कि लगभग 70 करोड़ रूपये की अंशपूंजी भी संचित की गयी। उन्होंने कहा कि किसानों के इस भरोसे को कायम रखते हुए उनके हित के लिए हरसम्भव प्रयास किये जायेंगे। श्री राठौर ने कहा कि पीसीएफ द्वारा कुछ नये व्यवसाय संचालित किये जाने की कार्य योजना बनायी गयी है।कृषक सेवा केन्द्रों को आधुनिक सेवाओं व संसाधनों युक्त करते हुए।

पश्चिमी यूपी को अलग राज्य बनाने की मांग पर शुरु हुई सियासत

वालियान की राय से इत्तिफाक नही रखती बीजेपी, कहा निजी बयान

संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के पश्चिमी यूपी को अलग राज्य बनाने की मांग के बयान से राजनीति गरमा गई है। इस मांग को लेकर दो भाईयों की राय एक नही। विपक्षी लोग खासकर आरएलडी इसे अपनी पुरानी मांग बताई। रालोद की तरफ से साफ कहा गया कि हरित प्रदेश की डिमांड चौधरी अजित सिंह ने बहुत पहले उठाई थी और रालोद अपने स्टैंड पर कायम है। हाईकोर्ट की अलग बेंच की भी मांग रालोद की पुरानी मांग है। ऐसा ही मिलता जुलता वक्तव्य राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव अंगारा का भी है। वे कहते हैं कि बीजेपी की कथनी और करनी में बड़ा फर्क होता है। केंद्रीय मंत्री संजीव वालियांन की राय को उनकी पार्टी ही सहयोग नही कर रही है। उन्होंने स्थानीय सियासत के मद्देनजर अलग प्रदेश की मांग की है। ये तो सच है कि ईस्टर्न यूपी के अलग सूबा बन जाने से क्षेत्र की प्रगति तो जरूर होगी। मेरठ के लोगों को न्यायिक कार्यों के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट जाना पड़ता है। दूरी ज्यादा होने के कारण समय और धन ज्यादा खर्च होता है। भाजपा नेता पंडित सुनील भराला का कहना है कि पश्चिम यूपी में एक विशेष वर्ग की तादात बहुत ज्यादा है, इसीलिए अलग प्रदेश बनाने की मांग पार्टी हाईकमान के घोषणा पत्र में शामिल नहीं हो सकती। यह केंद्रीय मंत्री की अपनी निजी राय हो सकती है।वही सुनील भराला के छोटे भाई व भाजपा किसान मोर्चा के कोषाध्यक्ष अजय भारद्वाज भराला ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को पत्र भेजकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उप्र की राजधानी लखनऊ है और हाईकोर्ट प्रयागराज में है, पश्चिमी यूपी के निवासियों को हाईकोर्ट की दूरी तय करने में काफी समय लग जाता है। पश्चिमी यूपी को अलग राज्य घोषित कर मेरठ इसकी राजधानी बने तो यहां के लोगों की समस्या का समाधान होगा।छपरौली से भाजपा के पूर्व विधायक सहेंद्र सिंह रमाला ने केंद्रीय राज्यमंत्री संजीव बालियान द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनवाने के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश अलग राज्य बनने से क्षेत्र में खुशहाली आएगी, विकास के रास्ते खुलेंगे। यह देश का सबसे बेहतर प्रदेश होगा।

भाजपा नेताओं ने पूर्व पार्षद वीरेंद्र कुमार वीरू को याद किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राज्यसभा सांसद व पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और लखनऊ की मेयर श्रीमती सुषमा खर्कवार समेत कई भाजपा नेताओं ने पूर्व पार्षद स्व. वीरेंद्र कुमार वीरू की जन्म जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इंदिरा नगर के हरिहर मैरिज लान में स्व. वीरेंद्र कुमार वीरू स्मृति फाउंडेशन द्वारा आयोजित समारोह में राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवार, पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की धर्मपत्नी श्रीमती नम्रता पाठक, अपर्णा यादव समेत दर्जनभर भाजपा नेताओं को शाल ओढ़ाकर और श्रीहनुमान जी की मढ़ी प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, दर्जनभर सफाई कर्मियों को भी गमछा व मिठाई देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में पूर्व पार्षद स्व. वीरेंद्र कुमार वीरू की धर्मपत्नी व इंदिरा नगर वार्ड की पार्षद पूजा जसवानी, सीमा जसवानी, सूरज जसवानी गुलशन जसवानी व अन्य परिजनों के अलावा निहारिका शुक्ला, नंदिता मिश्रा, पारुल सिंह, नीलम दीक्षित, पवन शुक्ल, सुमिता तिवारी, सुशीला आदि की खास उपस्थिति रही।

पीसीएफ 50वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक,पीसीएफ की आय पहुंची 5183.78 करोड़

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आज उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड की 10 साल बाद 50वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक बुलाई गयी। वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, सहकारिता राज्य मंत्री जे पी एस राठौर और राज्य मंत्री दया शंकर सिंह के साथ ही पीसीएफ के सभापति बाल्मिकी त्रिपाठी,भी मौजूद रहे। पीएससी ने बुलाई गई 50वीं वार्षिक सामान निकाय की बैठक में पिछले 1 वर्षों में पीसीएस की अचीव की गई उपलब्धियां को बताया गया। पीसीएफ के प्रबंधक निदेशक संजय कुमार ने बताया की कि पीसीएफ की वर्ष 2022–23 की उपलब्धि 5183.78 करोड़ रही है। उर्वरक में वर्ष 2022–23 में प्रीपोजीशनिंग उर्वरक की उपलब्धि 460.20 करोड़ और हैण्डलिंग की उपलब्धि 390.44 करोड़ रही है। बीज व्यवसाय की उपलब्धि 14.50 करोड़ रही है। कृषक सेवा केन्द्र की उपलब्धि 215.28 करोड़ रही है। गेहूं खरीद की उपलब्धि 331.06 करोड़ और धान खरीद की उपलब्धि 3666.26 करोड़ रही। दलहन–तिलहन खरीद की उपलब्धि 52.74 करोड़ रही। वहीं वेयरहाउस व्यवसाय की उपलब्धि 26.00 करोड़ और शीतगृह व्यवसाय की उपलब्धि 1.47 करोड़ रही। सितम्बर 2023 तक नैनो यूरिया मात्रा 613930 लीटर और नैनो डीएपी मात्रा 109784 लीटर की बिक्री की गई है। उत्तर प्रदेश पीसीएफ द्वारा ईआरपी मॉड्यूल के माध्यम से पीसीएफ के सभी व्यवसायों की मानिटरिंग मुख्यालय स्तर और क्षेत्रीय कार्यालय स्तर से की जाती है, जिससे जहां एक ओर पीसीएफ के कार्मिकों की दक्षता बढ़ती है तो वही दूसरी तरफ समस्याओं की जानकारी भी समय होने से उसका निस्तारण किया जाता है।

उत्तर प्रदेश सरकार के बी–पैक्स सदस्यता अभियान को बढ़ाने के निर्देश के बाद सितंबर महीने में पीसीएफ ने 26000 नए सदस्यों को जोड़ा गया है।

वही सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि पीसीएफ का सहकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान है, बिना पीसीएफ के कृषक हित और सहकारिता अभियान को गति देना असम्भव है, पीसीएफ सहकार से समृद्धि नारे को चरितार्थ कर रहा है।

कृषि संस्कृति से अवगत होंगे दो लाख से किसान

संवाददाता

लखनऊ। देश–दुनिया के दो लाख से अधिक किसान यूपी की कृषि संस्कृति से अवगत होंगे। इसके लिए यूपी सरकार दिसंबर में संभावित कृषि कुंभ 2.0 को अभूतपूर्व बनाने की तैयारियों में जुटी है। नवीन तकनीक व नवाचार से यूपी के किसान अवगत होकर तकनीकी रूप से और संपन्न होंगे। इसका आयोजन लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में कराया जाएगा। 2017 में योगी सरकार के गठन के पश्चात 2018 में कृषि कुंभ 1.0 आयोजित किया गया था, जो सफल रहा था।

पीजीआई पुलिस ने वांछित अभियुक्तकिया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का कॉपर का तार बरामद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त लखनऊ एस0बी0 शिरडकर, ह्देश कुमार पुलिस उपायुक्त पूर्वी व सै0 अली अब्बास अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी के निर्देशन में एवं अभिनव सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट लखनऊ के कुशल पर्यवेक्षण में राणा राजेश कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना–पीजीआई के नेतृत्व में उ0नि0 राजेश कुमार यादव मय हमराह हे0का0 आकाश गुप्ता, हे0का0 मुकेश यादव के देखभाल क्षेत्र तलाश वांछित अभियुक्त में मामूर होकर क्षेत्र गस्त कर रहे थे कि जरिये मुखबिर सूचना मिली कि आपके मुकदमें से सम्बन्धित अभियुक्त शमशान घाट शनि मन्दिर तेलीबाग चौराहा के पास खड़ा है। थाना पुलिस ने बताया कि सूचना पर हम पुलिस वालो द्वारा शमशान घाट पर पहुंचकर मुखबिर द्वारा बताये गये व्यक्ति को एक बारगी दबिश देकर पकड़ लिया गया पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो एक ने अपना आजम खान पुत्र मो0 रियाज निवासी 1ध्3 टाइप–3 सिचाई विभाग कालोनी थाना पीजीआई जनपद लखनऊ उम्र 23 वर्ष बताया जिसको उसके जुर्म धारा से अवगत कराते हुए गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जो भ्रष्टाचार करेगा वह जेल जाएगा, संजय सिंह की गिरफ्तारी पर दया शंकर सिंह ने दिया जवाब

संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक बयान बाजी तेज हो गई है। इसे लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडियाश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हताशा का नतीजा बता रहा है। वहीं इसे लेकर उत्तर प्रदेश सरकार में परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी और केन्द्र की मोदी सरकार में भ्रष्टाचार जो करेगा उसे जेल जाना ही पड़ेगा।

यूपी में डेंगू से बिगड़े हालात, बीते 24 घंटे में मिले 439 नए केस, संख्या हुई 8750, लखनऊ में रिटायर्ड डॉक्टर की मौत

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब डेंगू का कहर बढ़ता ही जा रहा है। प्रदेशभर में डेंगू से संक्रमित मरीज मिल रहे है। पिछले 24 घंटे में 439 नए मरीज मिले है और राजधानी लखनऊ में एक रिटायर्ड डॉक्टर की मौत हो चुकी है। अब तक यूपी में मरीजों की संख्या 8 हजार के पार हो चुकी ही। डेंगू से बिगड़ते हालातों को देखकर स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। विभाग ने एडवाइजरी जारी कर लोगों को सावधान रहने की अपील की है। बता दें कि, प्रदेश में अब डेंगू बेकाबू हो रहा है। प्रदेश के हर जिले में डेंगू के मरीज मिल रहे है। 6 जिलों में इस सीजन में 500 से ज्यादा केस आ चुके हैं। 15 मई से 4 अक्टूबर के बीच मुरादाबाद में 703, गौतमबुद्धनगर में 680, लखनऊ में 668, गाजियाबाद में 636, कानपुर में 608 और मेरठ में 572 डेंगू पॉजिटिव केस रिपोर्ट हुए हैं। वहीं, राजधानी में बुधवार को 26 नए मामले सामने आए है। अलीगंज, इंदिरानगर, एनके रोड और टूडियागंज इलाके में चार–चार लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। रेडक्रॉस, सिल्वर जुबली में तीन–तीन डेंगू से पीड़ित मरीज मिले है। प्रदेश में डेंगू से संक्रमित मरीजों की मौत की संख्या भी बढ़ती जा रही है। लखनऊ में एसजीपीजीआई के बायोस्टैटिस्टिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सीएम पांडेय और भी अलर्ट हो गया है। विभाग ने एडवाइजरी जारी कर लोगों को सुरक्षित रहने की अपील की है। ब्ड डॉ. मनोज अग्रवाल ने कहा कि बुखार की दशा में आराम करें। अधि

का डेंगू से सोमवार को निधन हो गया। एक हफ्ता पहले डेंगू पॉजिटिव आने पर परिजनों ने उन्हें एसजीपीजीआई में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान चक्कर आने पर वह गिर गए थे। उनके सिर में चोट लग गई थी। संस्थान के न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा था। उनकी मौत के बाद प्रदेश में अब तक 8 मरीजों की मौत होने की पुष्टि हुई है। डेंगू के बढ़ते कहर को देखकर स्वास्थ्य विभाग ाक से अधिक तरल पदार्थ का सेवन करें। बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी प्रकार की दवा न लें। एंटीबायोटिक दवा लेने से बचें। तेज बुखार की दशा में सिर्फ पैरासिटामोल ले सकते हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग व मलेरिया इकाई ने 1087 घरों एवं आस–पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया। जहां पर 8 घर ऐसे थे, जिनमें मच्छरजनित स्थितियां मिलीं। जिसके बाद विभाग ने इन्हें नोटिस भेज दिया है।

एसपीएसएस एवं एक्सेल के प्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय में रिसर्च डेवलपमेंट सेल द्वारा शोध में एसपीएसएस एवं एक्सेल के प्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग से आए अतिथि विद्वानों डॉक्टर शांभवी मिश्रा तथा डॉक्टर अशोक कुमार ने कार्यशाला का संचालन किया डॉ. अर्चना सिन्हा ने कार्यशाला के विषय पर प्रकाश डाला। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने शोध को विज्ञान परक और अचूक बनाने में इन विधियों के प्रयोग पर बल दिया और छात्राओं तथा शिक्षिकाओं को इससे अवगत होने के लिए प्रेरित किया। डॉ शांभवी मिश्रा ने अवगत कराया की एस पी एस एस सॉफ्टवेयर का उपयोग बाजार शोधकर्ता, आंकड़ा संकलन करने वाली संस्था तथा अकादमिक शोधकर्ता द्वारा किया जाता है। उन्होंने एस पी एस एस के प्रयोग द्वारा आंकड़ों के निर्गत–विगत करने की प्रक्रिया, आंकड़ों के विश्लेषण तथा व्याख्यात्मक प्रस्तुति का प्रदर्शन किया। दूसरे विद्वान वक्ता डॉ. अशोक कुमार ने कार्यालयी कार्यों तथा शोध में एक्सेल की उपयोगिता और कार्य प्रणाली पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि एक्सेल के माध्यम से सूचनाओं को अधिक प्रभावशाली रूप में आरेखन तथा रेखा चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है। कार्यशाला में 160 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें महाविद्यालय की प्रवक्ताए छात्राएं तथा शोध प्रकोष्ठ की सदस्याऐ प्रोफेसर राशिदा खातून, प्रोसेसर सुषमा त्रिवेदी, प्रोफेसर निशी गुप्ता डॉ. श्वेता उपाध्याय, डॉ अपर्णा राय समलित रही।

पोस्टर प्रतियोगिता एवं समकालीन मुद्दों पर आधारित भाषण प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

लखनऊ। आज राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा भारतीय राजनीतिक परिदृश्य 2023 विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता एवं समकालीन मुद्दों पर आधारित भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता में बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया पोस्टर प्रतियोगिता की निर्णायक मंडल की सदस्य प्रोफेसर सृष्टि श्रीवास्तव एवं प्रोफेसर ज्योतिका राठौर रही प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा प्रथम स्थान अग्रणी बीए द्वितीय वर्ष,द्वितीय स्थान सुप्रिया गोपाल बीए तृतीय वर्ष तृतीय स्थान अनुष्का पांडे बीए तृतीय वर्ष की रही छात्राओ द्वारा भाषण प्रतियोगिता के अंतर्गत मुख्य रूप से वन नेशन वन इलेक्शन,चौलेंज ऑफ एजुकेशन,महिला आरक्षण बिल, पावर्टी, इंडिया बनाम भारत प्रमुख मुद्दे रहे भाषण प्रतियोगिता मे निर्णायक मंडल के सदस्य में सुनीता सिंह एसोसिएट प्रो.शिक्षा शास्त्र विभाग प्रोफेसर मंजुला यादव हिंदी विभाग रही दोनों कार्यक्रम में सभी निर्णायक मंडल के सदस्यों ने छात्राओ का प्रोत्साहित एवं उत्साह वर्धन किया भाषण प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार–प्रथम स्थान–नेहा कुमारी, द्वितीय स्थान–अमिषा द्विवेदी, तृतीय स्थान–अस्मिता अवस्थी रही महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने छात्राओं के द्वारा बनाए गए पोस्टर की सराहना एवं उत्साहवर्धन किया कार्यक्रम का संचालन राजनीति शास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ गीताली रस्तोगी जी प्रोफेसर ज्योत्सना गौतम एवं असिस्टेंट प्रोफेसर दीक्षा द्वारा किया गया।

चार राज्यों के बीच बसा स्विटजरलैंड ऑफ इंडिया

पंडित नेहरू ने सोनभद्र को स्विटजरलैंड ऑफ इंडिया कहा था

संवाददाता

लखनऊ। भारत के हर राज्य में ढेरो जिले हैं लेकिन स्विट्जरलैंड आफ इंडिया यूपी में है। सोनभद्र एरिया के मामले में उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा जिला है लेकिन सामान्य ज्ञान के सवालों में इसका जिक्र आता है। सोनभद्र भारत का अनोखा ऐसा जिला है जिसे एक साथ चार राज्यों की सीमाएं छूती है। इसी खासियत के चलते कंपटीशन से जुड़ी परीक्षाओं में सोनभद्र को लेकर सवाल आते हैं। सोनभद्र यूपी में है लेकिन इसकी सीमा मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ से मिलती है। सोनभद्र खनन के मामले में भी विख्यात है क्योंकि यहां पर कैमूर की पहाड़ियों में खनिज की खुदाई होती है और भारी मात्रा में खनिज का खनन किया जाता है। सोनभद्र इलाके में बॉक्साइट, चूना पत्थर,कोयला और सोना भी काफी मात्रा में खनन किया जाता है। 1989 से पहले सोनभद्र मिर्जापुर जिले में था लेकिन 1998 मे इसे अलग करके सोनभद्र नाम दिया गया। सोनभद्र का नाम इसके किनारे बहने वाली नदी पर पड़ा। यहां जिले के किनारे पर सोन नदी बहती है और इसी के नाम पर इस जिले को सोनभद्र कहा जाने लगा। सोन नदी ही नहीं, इस जिले में कनहर और पांगन के साथ रिहंद नदी भी है। सोनभद्र विंध्य और कैमूर की पहाड़ियों के बीच में बसा है और यही कारण है कि इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है। पंडित जवाहर लाल नेहरू यहां आए थे तो इस जिले की खूबसूरती देखकर इसे स्टिवजरलैंड ऑफ इंडिया का नाम दिया था। सोनभद्र में हरियाली और पहाड़ों की खूबसूरती है तो नदियों की उन्नत धारा देखने को मिलती है। इतने पावर प्लांट है कि इसे पावर केपिटल कहा जाता है।

जो 2014 में आए थे वो 2024 में चले जाएंगे : अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज गुरुवार को पहुँचे प्रतापगढ़ और लोक जागरण अभियान के तहत हो रहे समाजवादी पार्टी के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने पूर्व विधायक स्वर्गीय श्याद अली को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा, श्याद अली हमारी पार्टी के बहुत ही निष्ठावान नेता थे, कल अचानक उनकी तबियत खराब हुई। हम समाजवादी लोग दुःखी हैं, उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में भाजपा सराकर पर जमकर निशाना साधा।अखिलेश यादव ने कहा, मैंने 500 सांड गिने। अगर मैं 11 बजे के बाद पूरे प्रतापगढ़ में राउंड मारता तो मुझे 2 हजार से ऊपर सांड मिलते। चाहे वो घंटाघर हो, चौराहे हो हर जगह सांड है। कानून व्यवस्था को लेकर कहा, कानून व्यवस्था में जीरो टॉलरेंस देख लिया और भ्रष्टाचार का तो पूछो मत। कोई तहसील, थाना नहीं बचा है जहां भ्रष्टाचार न हो। जो सरकार पहले दिन से कहती हो कि हम गड्ढा मुक्त करेंगे सड़क, बताओं कौनसी सड़क है जिसपर गड्ढे न हो? समाजवादियों के विचारों को लेकर हमारे नेता, कार्यकर्ता गांव–गांव जाएंगे और भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा चुनाव में सबक सिखाएंगे। 2014 में जो आए थे 2024 में चले जाएंगे। यूपी से आए थे और यूपी से ही बाहर चले जाएंगे। एनडीए को पीडीए हराने का काम करेगा। अखिलेश यादव ने कहा, आप हमारे वही पेट्रोल के दाम वापस करदो जो 2014 में थे, क्या पेट्रोल, डीजल के दाम की वापसी होगी? क्या बिजली के बिल की वापसी होगी।

हर दल के दिल में बसे दलित

बीजेपी का खास फोकस ,घोसी के चुनाव में मिली शिकस्त से हुई अलर्ट दलितों को जोड़ने के लिए लगाये गए इस समुदाय के लीड़र,होंगे दलित सम्मेलन

संवाददाता

लखनऊ। दलित वोट बैंक अब किसी खास का नही रहा। बिखरे दलित वोट अपना मत जिधर देंगे,बल्ले बल्ले होगी। यह बात घोसी के उपचुनाव में सबने देखा है। मिशन फतह 2024 खातिर हर दल के दिल मे दलित बसे हैं। बीजेपी को खामियाजा भुगतना पड़ा है। समाजवादी पार्टी के खाते में बावजूद बीजेपी की कड़ी मशक्कत चली गई। 2024 का पार्लियामेंट इलेक्शन बहुत ही रोमांचक होने वाला है क्योंकि इस बार इलेक्शन एनडीए बनाम इंडिया होने के आसार प्रबल हो गए हैं। बीजेपी ऐसी पार्टी है जो हर कदम नाप तौल कर ही आगे बढ़ाती है। यह बात और है कि कुछ पार्टी लीडर बड़े बड़े दावे करने में अग्रणी रहते हैं। कहते हैं कि सभी 80 सीटों पर बीजेपी जीतेगी। दावे को मूर्तरूप देने के लिए मशक्कत तो करनी पड़ती है। पार्टी हाईकमान कोई रिस्क लेने के मूड में नही है। पार्टी लोकसभा चुनाव से पहले क्षेत्रवार दलित जातियों को जोड़ने का अभियान चलाएगी। पहले चरण में अक्तूबर में छह संगठनात्मक क्षेत्रों में अनुसूचित जाति सम्मेलन होंगे। प्रदेश में लोकसभा की 17 सीटें आरक्षित हैं।

इनमें से नगीना व लालगंज बसपा के पास हैं।बुलंदशहर, हाथरस, आगरा, शाहजहांपुर, हरदोई, मिश्रिख, मोहनलालगंज, इटावा, जालौन, कौशांबी, बाराबंकी, बहराइच, बासगांव, मछलीशहर और राबर्ट्सगंज भाजपा गठबंधन के पास है। विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा गठबंधन ने अनुसूचित जाति के 86 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। आरक्षित से ज्यादा सीटों पर दलितों को मौका दिया। इनमें 63 उम्मीदवार चुनाव जीते थे। पार्टी मानती है कि लोकसभा चुनाव में यूपी की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य दलित वर्ग के 50 फीसदी वोट प्राप्त किए बिना मुश्किल है। बिहार में जातीय जनगणना की रिपोर्ट आने के बाद पार्टी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दलितों के बीच जनाधार बढ़ाने के लिए मिशन मोड पर है। अवध, काशी, गोरखपुर, कानपुर–बुंदेलखंड, पश्चिम और ब्रज क्षेत्र में करीब एक–एक लाख दलितों के सम्मेलन होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी कल बुधवार को वाराणसी में काशी क्षेत्र की और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह हापुड़ में पश्चिम क्षेत्र की बैठक कर चुके हैं। पार्टी का खास जोर बसपा के जाटव वोट बैंक में सेंध लगाने पर रहेगा। पार्टी के जाटव नेताओं व मंत्रियों को कमान सौंपी गई है। पश्चिम क्षेत्र में जाटव, धोबी और खटीक समाज को जोड़ने पर जोर रहेगा। अवध में पासी और कोरी समाज के घर–घर दस्तक देंगे। बुंदेलखंड में कोरी व धोबी और पूर्वांचल में सोनकर, पासवान, पासी व जाटव समाज के लिए रणनीति है। योगी सरकार के दलित मंत्रियों और पार्टी के अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े पदाधिकारियों की जिम्मेदारी बढ़ी है। मंत्री व पदाधिकारी को उनकी जाति से जुड़े क्षेत्रों में लोगों को जोड़ने का जिम्मा सौंपा गया है। भाजपा दलित वर्ग को साधने का प्रयास कर रही है लेकिन प्रदेश में अनुसूचित जाति आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों का पद लंबे समय से खाली है।

इसके कारण एससी से जुड़े मामलों की सुनवाई में विलंब हो रहा है। विधान परिषद में भाजपा के 81 सदस्यों में चार विद्यासागर सोनकर, निर्मला पासवान, सुरेंद्र चौधरी और लालजी निर्मल दलित वर्ग से हैं। संगठन में भी 98 संगठनात्मक जिलों में से महज पांच में दलित जिलाध्यक्ष हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।